# आंदोलनकारियों ने मुआवजा और पुनर्वास में लापरवाही के लगाए आरोप

## चिता आंदोलन के बीच महिला की मौत, जिला प्रशासन ने किया खण्डन

नवभारत न्यूज

**पन्ना, 17 सितंबर। मझगाय बांध के डूब क्षेत्र में चल रहे चिता आंदोलन के पांचवें दिन 78 वर्षीय बुजुर्ग महिला की मौत के बाद विस्थापन, मुआवजा और पुनर्वास को लेकर सवाल उठने लगे हैं। आंदोलन से जुड़े अमित भटनागर ने महिला की मौत को बांध प्रभावित परिवारों की परेशानी से जोड़ते हुए प्रशासनिक व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल उठाए हैं।**

वहीं जिला प्रशासन ने इस मामले में स्पष्टीकरण जारी करते हुए बताया है कि महिला की मृत्यु चिता आंदोलन के दौरान नहीं हुई, बल्कि मंगलवार रात घर पर अचानक पेट में दर्द की शिकायत के बाद उनकी मृत्यु हुई। आंदोलनकारियों के अनुसार बनहरीकला टपरिया क्षेत्र निवासी रमियाबाई आदिवासी, पत्नी बुद्धू आदिवासी, पिछले कुछ समय से अपने घर और गांव के डूब क्षेत्र में आने को लेकर परेशान थीं। अमित भटनागर का कहना है कि कुछ दिन पहले हुई बातचीत में रमियाबाई ने घर डूबने की चिंता और भोजन नहीं कर पाने की बात कही थी। इस बातचीत के वीडियो भी उनके द्वारा जारी किए गए हैं। आंदोलनकारियों का आरोप है कि कई प्रभावित परिवारों को मुआवजा और पुनर्वास का लाभ पूरी तरह नहीं मिला है और पानी बढ़ने के कारण उनकी परेशानियां बढ़ रही हैं।

**निष्पक्षता से की जाए महिला की मौत की परिस्थितियों की जांच** – अमित भटनागर ने कहा कि जिन सांकेतिक चिताओं के बीच प्रभावित लोग न्याय की मांग कर रहे हैं, उसी आंदोलन के दौरान अब एक वास्तविक चिता जल उठी है। उन्होंने विस्थापन, मुआवजा और पुनर्वास की प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए प्रभावित परिवारों की समस्याओं के तत्काल निराकरण की मांग की। उनका आरोप है कि कुछ परिवारों को घोषित 12.50 लाख रुपये का पूरा पैकेज नहीं मिला है तथा जमीन और मकान के मुआवजे से जुड़े मामले भी लंबित हैं। उन्होंने महिला की मृत्यु की परिस्थितियों की निष्पक्ष जांच की मांग की है।

### प्रशासन ने स्पष्ट किया, बीमारी से हुई महिला की मौत

इधर, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अजयगढ़ ने बुधवार को जारी स्पष्टीकरण में बताया कि चिता आंदोलन के दौरान महिला की मृत्यु होने की बात सही नहीं है। प्रशासन के अनुसार ग्राम पंचायत बनहरीकला के सचिव से प्राप्त जानकारी के मुताबिक 78 वर्षीय रमिया पति माधव कोंदर की मृत्यु मंगलवार रात करीब 10 बजे घर पर हुई। महिला ने अचानक पेट में दर्द होने की शिकायत की थी। जल संसाधन विभाग के अनुविभागीय अधिकारी द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार मृतिका को मझगाय मध्यम सिंचाई परियोजना में अधिग्रहित भूमि के एवज में 28 लाख 70 हजार रुपये, अधिग्रहित मकान की राशि के रूप में 15 लाख 23 हजार रुपये तथा पुनर्वास राशि के रूप में 5 लाख रुपये का भुगतान पूर्व में किया जा चुका है। प्रशासन के अनुसार इन मदों में कुल 48 लाख 93 हजार रुपये का भुगतान किया गया है।

# छत्रसाल महाविद्यालय में हिंदी भाषण प्रतियोगिता आयोजित

नवभारत न्यूज

**पन्ना, 17 सितंबर। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफएक्सीलेंस छत्रसाल शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, पन्ना में भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के तत्वावधान में हिंदी पखवाड़े के उपलक्ष्य में भाषण प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया।**

इस प्रतियोगिता का मुख्य विषय भारतीय ज्ञान परंपरा में हिंदी भाषा एवं साहित्य की भूमिका रखा गया था। पूरा कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. जे. के. वर्मा एवं प्रशासनिक अधिकारी डॉ. पी. पी. मिश्रा के मार्गदर्शन तथा डॉ. शुभम पाठक के कुशल संयोजन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। प्रतियोगिता के दौरान विद्यार्थियों ने हिंदी साहित्य, भारतीय संस्कृति, दर्शन और जीवन-मूल्यों के संरक्षण में हिंदी भाषा के अद्वितीय योगदान को रेखांकित करते हुए अत्यंत उत्साहपूर्वक अपने विचार व्यक्त किए। प्रतिस्पर्धात्मक भाषण प्रतियोगिता में बी.ए. प्रथम वर्ष की छात्रा आरती पाल ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं बी.ए. प्रथम वर्ष की ही सुमैया खान ने द्वितीय स्थान तथा निर्मल आदर्श सिंह ने तृतीय स्थान हासिल किया।

# मोदी के जन्मदिवस पर किया दीपोत्सव कार्यक्रम

नवभारत न्यूज

**सलेहा, 17 सितंबर। सलेहा मंडल के तत्वावधान में गुरुवार को हायर सेकंडरी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परिसर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर दीपोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया।**

कार्यक्रम में पूर्व विधायक फुंदर चौधरी, मदनमोहन पांडे, मंडल अध्यक्ष हरेंद्र त्रिपाठी, सरपंच रेखा बाई सहित जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं अन्य अतिथि मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अतिथियों एवं कार्यकर्ताओं द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दीर्घायु एवं स्वस्थ जीवन की कामना की गई। कार्यक्रम के अंत में अशोक नामदेव द्वारा उपस्थित अतिथियों, जनप्रतिनिधियों, मंडल पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं ग्रामीणों का आभार व्यक्त किया गया। इस अवसर पर मंडल पदाधिकारी, कार्यकर्ता, बूथ कमेटी के सदस्य, शिक्षक एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

# कच्ची सड़क छात्रों एवं गांव वालों के लिए बनी मुसीबत

नवभारत न्यूज

**सलेहा, 17 सितंबर। गुनौर जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत भुलगवां अंतर्गत शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालय बछरवारा से सिमरी गांव तक पहुंच मार्ग बदहाल है। बारिश के चलते कच्चा रास्ता कीचड़ और फिसलन भरा है।**

वहीं बछरवारा से दूसरे टोला की ओर जाने वाले मार्ग में पड़ने वाली पुलिया भी क्षतिग्रस्त है। ग्रामीणों का कहना है कि वर्षों से सड़क निर्माण की मांग की जा रही है, लेकिन अब तक उन्हें पक्की सड़क नसीब नहीं हुई। सिमरी गांव से बच्चे रोजाना पढ़ाई करने बछरवारा के माध्यमिक विद्यालय आते हैं। यह रास्ता बारिश में बच्चों के लिए मुसीबत बन जाता है।

कीचड़ और फिसलन के कारण बच्चे जूते-चप्पल हाथ में लेकर स्कूल पहुंचते हैं। पैर कीचड़ से सन जाते हैं और स्कूल की ड्रेस भी खराब हो जाती है। विद्यालय पहुंचने के बाद हैंडपंप पर पैर धोकर बच्चे कक्षाओं में दाखिल होते हैं।

**विद्यार्थियों के सामने आवागमन की समस्या** – विद्यालय के सामने भी बारिश के कारण कीचड़ और फिसलन बनी हुई है। कक्षा पहली से आठवीं तक पढ़ने वाले करीब 60 विद्यार्थियों और स्कूल स्टाफ को आवाजाही में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। रास्ते पर फिसलने से बच्चों के गिरकर चोटिल होने का खतरा बना रहता है। बछरवारा-सिमरी मार्ग से केवल स्कूली बच्चे ही नहीं, बल्कि सिमरी, तुर्की ताल, कपरी और माल्हन गांव के ग्रामीण भी आवागमन करते हैं।

### वर्षों से आश्वासन, अब कार्रवाई का इंतजार

ग्रामीणों के अनुसार सड़क निर्माण को लेकर लंबे समय से अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से गुहार लगाई जा रही है। हर बार आश्वासन मिलने के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ। शासन से पक्की सड़क मार्ग बनाने की मांग की है।

# सेवा संकल्प अभियान के तहत लोकनिर्माण विभाग ने किया ब्लड डोनेट एवं सर्किट हाउस में जलाए दिए

नवभारत न्यूज

**पन्ना, 17 सितंबर। आज गुरूवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्म दिवस के अवसर पर एक माह तक संचालित होने वाले सेवा संकल्प अभियान का शुभारंभ हुआ।**

इस मौके पर कलेक्ट्रेट परिसर में रक्तदान शिविर लगाया गया। जिसमें लोकनिर्माण विभाग के कार्यपालन यंत्री आईडी पटेल सहित विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी रक्तदान किया, जिसका प्रमाणपत्र स्थानीय विधायक ब्रजेन्द्र प्रताप सिंह सहित कलेक्टर श्रीमती उषा परमार एवं एसपी पन्ना श्रीमती निवेदिता नायडू द्वारा प्रमाणपत्र भी दिया गया।

सेवा संकल्प अभियान में आशीर्वाद का दीया जलाने की गतिविधि के तहत स्थानीय सर्किट हाउस पन्ना में लोकनिर्माण विभाग द्वारा 500 दिए जलाये गये।

# महिलाओं की खेल प्रतियोगिताएं आयोजित हुईं

नवभारत न्यूज

**पन्ना, 17 सितंबर। सेवा संकल्प अभियान के शुभारंभ अवसर पर गुरूवार को पन्ना नगर के होमगार्ड ग्राउण्ड में नमो युवा शक्ति कार्यक्रम के तहत स्वसहायता समूह की महिलाओं और परिवार की बालिकाओं सहित विभिन्न प्रशिक्षण संस्थाओं की ग्रामीण पृष्ठभूमि की महिला प्रशिक्षणार्थियों की खेल प्रतियोगिताएं संपन्न हुईं।**

महिलाओं ने रस्साकसी, जलेबी दौड़, नीबू दौड़, कुर्सी दौड़ जैसी स्पर्धाओं में भाग लेकर अपने जौहर का प्रदर्शन किया। विदित हो कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 76वें जन्म दिवस के अवसर पर ग्रामीण आजीविका मिशन पन्ना के तत्वावधान में युवाओं में उत्साह, नेतृत्व क्षमता, सामाजिक सहभागिता व ग्रामीण विकास के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। नमो युवा शक्ति के तहत संगीत कार्यक्रम, लखपति दीदी संवाद, मनोरंजन व नुक्कड़ नाटक की गतिविधियां भी हुईं। कार्यक्रम को सफल बनाने में जिला प्रबंधक ओमप्रकाश त्रिवेदी, सुशील शर्मा, कमल श्रीवास्तव, आशिया बेगम,

रोहित विश्वकर्मा, ब्लॉक प्रबंधक पन्ना विवेक मिश्रा सहित सभी स्टॉफका सराहनीय योगदान रहा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं पन्ना विधायक बृजेन्द्र प्रताप सिंह सहित नोडल अधिकारी अभिजीत अग्रवाल, कलेक्टर ऊषा परमार, पुलिस अधीक्षक निवेदिता नायडू, जिपं सीईओ उमराव सिंह मरावी व जिला परियोजना प्रबंधक प्रमोद शुक्ला भी उपस्थित रहे।

# रक्तदान शिविर के साथ आरंभ हुआ सेवा संकल्प अभियान

## कलेक्टोरेट में लगा ब्लड डोनेशन कैंप

नवभारत न्यूज

**पन्ना, 17 सितंबर। गुरूवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्म दिवस के अवसर पर एक माह तक संचालित होने वाले सेवा संकल्प अभियान का शुभारंभ हुआ। इस मौके पर कलेक्ट्रेट परिसर में रक्तदान शिविर लगाया गया।**

पन्ना विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री बृजेन्द्र प्रताप सिंह ने दीप प्रज्ज्वलन कर शिविर का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि आज संपूर्ण देश में प्रधानमंत्री श्री मोदी का जन्म दिवस उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। अभियान के शुभारंभ अवसर पर रक्तदान शिविर का आयोजन सराहनीय है।

**रक्तदाताओं को वितरित किए प्रमाण पत्र** – पन्ना विधायक ने शिविर में रक्तदान करने वाले सभी प्रतिभागियों से भेंट की और प्रमाण पत्र वितरित किए। शिविर की व्यवस्थाएं भी देखीं। मेडिकल टीम से आवश्यक चर्चा भी की। इस अवसर पर कलेक्टर ऊषा परमार, पुलिस अधीक्षक निवेदिता नायडू, जिला पंचायत सीईओ उमराव सिंह मरावी, अपर कलेक्टर मधुवंतराव धुर्वे व मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश प्रसाद तिवारी भी उपस्थित रहे।

जिला चिकित्सालय के ब्लड बैंक में आयोजित रक्तदान शिविर में भी बड़ी संख्या में युवाओं द्वारा रक्तदान किया गया।

# भगवान विश्वकर्मा की निकाली गई शोभायात्रा

नवभारत न्यूज

**पवई 17 सितम्बर। विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर गुरुवार को विश्वकर्मा समाज ब्लॉक इकाई पवई के तत्वावधान में भगवान विश्वकर्मा की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में समाज के लोगों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।**

भगवान विश्वकर्मा की प्रतिमा को आकर्षक रूप से सजाया गयाए जिसके दर्शन के लिए मार्ग में जगह.जगह लोगों की भीड़ नजर आई ।शोभायात्रा का शुभारंभ सलेहा तिराहा से हुआ। यहां से शोभायात्रा विभिन्न मार्गों से होते हुए आगे बढ़ी। श्रीराम अस्पताल के सामने अस्पताल संचालक ब्रजेश विश्वकर्मा द्वारा भगवान विश्वकर्मा की आरती की गई। इस दौरान शोभायात्रा में शामिल समाज के लोगों का स्वागत किया

गया तथा स्वल्पाहार कराया गया। इसके बाद शोभायात्रा करही तिराहाए मोहंद्रा तिराहा होते हुए बस स्टैंड पहुंची। यहां से झंडा बाजार होते हुए शोभायात्रा माता कलेही परिसर पहुंची। यात्रा के दौरान समाज के लोग भगवान विश्वकर्मा के जयकारे लगाते हुए चल रहे थे।

माता कलेही परिसर पहुंचने के बाद विधि.विधान से भगवान विश्वकर्मा की पूजा.अर्चना की गई। इसके पश्चात हवन का आयोजन हुआए जिसमें समाज के लोगों ने श्रद्धापूर्वक आहुति दी। कार्यक्रम के अंत में श्रद्धालुओं को प्रसाद का वितरण किया गया। शोभायात्रा एवं धार्मिक आयोजन में विश्वकर्मा समाज के बड़ी संख्या में लोग शामिल रहे।

# एनएमडीसी की खदान में मिला अब तक का दूसरा सबसे बड़ा हीरा, अनुमानित कीमत दो करोड़ से अधिक

नवभारत न्यूज

**पन्ना 17 सितम्बर। रत्नगर्भा नगरी पन्ना आये दिन बेशकीमती करोड़ो के हीरे उगल रही है। कभी उथली खदान से तो कभी एनएमडीसी माइन्स में लगातार हीरे मिल रहे है।**

गत दिवस एशिया की एकमात्र मेकेन्माइन्ड एनएमडीसी हीरा खनन परियोजना मझगवां पन्ना में लगभग साढे सत्ताईस कैरेट का उज्जवल किस्म का हीरा मिला जिसकी कीमत दो करोड़ रूपये से भी अधिक आंकी जा रही है। जो पन्ना में एनएमडीसी द्वारा अब तक निकाला गया दूसरा सबसे बड़ा हीरा बताया जा रहा है। जिसकी अनुमानित कीमत करीब 2 करोड़ से अधिक आंकी जा रही है। एनएमडीसी के अनुसार इससे पहले जुलाई 2026 में भी परियोजना से 13.16 कैरेट का गुणवत्तापूर्ण हीरा प्राप्त हुआ था। इसके कुछ ही समय बाद 27.29 कैरेट के इस बड़े हीरे की प्राप्ति को टीम एनएमडीसी के लिए एक और गौरवशाली उपलब्धि बताया जा रहा है। कंपनी का कहना है कि थोड़े-थोड़े अंतराल पर लगातार दो बड़े आकार के गुणवत्तापूर्ण हीरों की प्राप्ति यह दर्शाती है कि पन्ना हीरा उत्खनन की दृष्टि से समृद्ध और संभावनाओं से भरपूर बना हुआ है। उल्लेखनीय है कि पन्ना जिला अपने हीरा भंडार के लिए देशभर में जाना जाता है और यहां एनएमडीसी द्वारा संचालित डायमंड माइनिंग परियोजना नियमित रूप से हीरों का उत्खनन करती है। समय-समय पर यहां से बड़े और मूल्यवान हीरे प्राप्त होते रहे हैं। विदित हो कि एनएमडीसी में जून 2010 में 34.37 कैरेट का हीरा मिला था, जो अब तक का सबसे बड़ा हीरा है।

# एक करोड़ तीस लाख की दवाएं जब्त

पन्ना, 17 सितंबर। नियंत्रक खाद्य एवं औषधि प्रशासन भोपाल के निर्देशन में गठित तीन सदस्यीय जांच दल द्वारा देवेन्द्रनगर में संचालित मेसर्स देवनाथ फार्मा की जांच की गई। यहां अधिक मात्रा में लगभग 2 लाख 39 हजार कोडीन कफसिरप के क्रय-विक्रय की जानकारी प्राप्त होने पर कार्रवाई की गई। पूछताछ के समय प्रोपराइटर द्वारा कफसिरप का खरीदा जाना स्वीकार किया गया, लेकिन बिक्री का रिकॉर्ड देने में असमर्थ रहे। मौके पर देवनाथ फार्मा लाइसेंस में दर्ज पते से बिरवाही रोड, गल्ला मंडी के पास के स्थान पर मड़ैयन पंचायत रेलवे पुल के आगे देवेन्द्रनगर में संचालित पाए जाने की वजह से दल द्वारा गत 3 जुलाई से जप्ती की कार्रवाई की जा रही थी। इस दौरान मकान मालिक एवं दुकान मालिक परिवार सहित फरार हो जाने की वजह से उक्त मकान को तहसीलदार के समक्ष 5 जुलाई को जांच दल द्वारा सील कर दिया गया था।

# किसान ने केन नदी में लगाई थी छलांग

नवभारत न्यूज

**पन्ना, 17 सितंबर। जिले के पर्यटन ग्राम मंडला में लगातार फसल खराब होने और खेती में हो रहे नुकसान से परेशान किसान ने केन नदी में छलांग लगाकर जान दे दी। मृतक की पहचान रणधीर यादव उम्र 32 वर्ष पिता राममिलन यादव के रूप में हुई है।**

बुधवार को घटना स्थल से करीब तीन किमी दूर राज्य आपदा आपातकालीन बचाव दल ने दो दिन तक चले तलाशी अभियान के बाद शव बरामद किया। ग्रामीणों के अनुसार रणधीर यादव 14 सितंबर को खेत में चारा काट रहे थे। इसी दौरान उनकी पत्नी प्रीति ने उन्हें नदी की ओर जाते हुए देखा। काफी देर तक घर वापस नहीं लौटने पर परिजनों ने तलाश शुरू की। नदी किनारे उनकी चप्पलें मिलने के बाद अनहोनी की आशंका हुई। ग्रामीणों ने देर रात 12 बजे तक नदी के आसपास खोजबीन की और इसके बाद मंडला थाना पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर बचाव दल ने सर्च अभियान शुरू किया।

### ड्राइविंग छोड़ शुरू की थी खेती

ग्रामीण बाबूलाल यादव ने बताया कि रणधीर पहले पन्ना टाइगर रिजर्व में पर्यटकों के लिए वाहन चलाने का काम करते थे। करीब सात-आठ वर्ष पहले वृद्ध माता-पिता और बच्चों की देखभाल के लिए उन्होंने दो से तीन एकड़ पुश्तैनी जमीन पर खेती शुरू कर दी थी। कभी सूखा तो कभी अत्यधिक बारिश के कारण खेती में लगातार नुकसान हो रहा था। इस वर्ष भी तेज बारिश से फसल बर्बाद होने के कारण वह तनाव में थे। रणधीर अपने पीछे वृद्ध माता-पिता, पत्नी और दो छोटे बच्चों को छोड़ गए हैं।

# आधा दर्जन लोगों को फर्जी सिम जारी करने वाले पीओएस एजेंट पर धोखाधड़ी का मामला दर्ज

नवभारत न्यूज

**पन्ना, 17 सितंबर। पुलिस अधीक्षक कार्यालय पन्ना साइबर सेल द्वारा अजयगढ़ थाने को दिनांक 11 अगस्त को पीओएस सिम विक्रयकर्ता धारको एजेंट एवं अन्य के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया था।**

पत्र के साथ थाना अजयगढ़ क्षेत्र के एजेण्ट पीओएस कोड क्रमांक 72244051990 कोमल मोबाइल कुंवरपुर स्ट्रीट अजयगढ़ का उल्लेख कर पोस कोड से जारी 06 संदिग्ध सिम के धारकों के मोबाइल नंबर प्रदाय किए गए जिसमें उपभोक्ता फार्म के अनुसार जारी जिन व्यक्ति के नाम सिम जारी हुई थी उसकी जानकारी भी दी गई थी। साइबर सेल द्वारा सिम नंबर का उपयोग वास्तविक उपभोक्ताओं द्वारा न किया जाकर सिम का संदिग्ध होना भी बताया गया था जिसके बाद अजयगढ़ थाना पुलिस द्वारा उपभोक्ता फार्म में दर्ज जानकारी के अनुसार संबंधित व्यक्तियों से पूछताछ कर जानकारी प्राप्त की गई। जांच कार्यवाही में नामांकित व्यक्तियों ने बताया कि उनके रिश्तेदार भगत सिंह लोध जो सिम का काम करता था उनके घर आकर आधार कार्ड व फोटो लेकर गया था लेकिन सिम नहीं दी गई।

# रुंझ-मझगांय बांध घोटाला : मुआवजे की बंदरबांट पर फूटा कांग्रेस का आरोप, पटवारी तो मोहरा है असली मगरमच्छ कौन?

नवभारत न्यूज

**पन्ना, 17 सितंबर। जिले की महत्वाकांक्षी रुंझ और मझगांय बांध परियोजनाएं अब भ्रष्टाचार और घोटाले का पर्याय बनती जा रही हैं। विस्थापितों और आदिवासियों के हक पर डाले जा रहे डाके को लेकर वार्ड 14 के पार्षद जिला कांग्रेस महामंत्री वैभव थापक ने प्रेस वार्ता कर प्रशासन की पोल खोलकर रख दी है।**

उन्होंने अपने प्रेस बयान के जरिए सरकार पर 5 तीखे सवाल दागते हुए पूरे राजस्व महकमे में हड़कंप मचा दिया है। थापक ने

सीधा आरोप लगाया कि मुआवजे के नाम पर आदिवासियों के साथ सबसे बड़ा छलावा हो रहा है। हाल ही में लोकायुक्त द्वारा एक पटवारी को रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ना इस बात का पुख्ता प्रमाण है कि यह कोई छिटपुट घटना नहीं, बल्कि एक संगठित कमीशन-तंत्र है। उन्होंने कड़ा सवाल दागा कि क्या जांच सिर्फएक छोटे कर्मचारी तक सिमट कर रह जाएगी, या इस लूट-खसोट में शामिल बड़े सफेदपोश अधिकारियों की गर्दन भी नापी जाएगी? प्रशासन द्वारा प्रभावित आदिवासियों की ग्रामवार सूची सार्वजनिक न करना सीधे तौर पर गोलमाल की तरफ इशारा करता है।कागजों में मुआवजा, दबाव में कराए जा रहे हस्ताक्षर - प्रेसवार्ता में यह सनसनीखेज खुलासा भी किया गया कि किसानों और प्रभावितों के मकान, कुएं, पेड़ और फसल के मूल्यांकन में भारी गड़बड़ी की गई है। लोगों को डरा-धमकाकर और बिना पूरी जानकारी दिए सहमति दस्तावेजों पर जबरन हस्ताक्षर कराए जा रहे हैं। पार्षद ने मांग की है कि इस पूरी अधिग्रहण और मुआवजा वितरण प्रक्रिया का एक स्वतंत्र, वित्तीय एवं उच्च स्तरीय ऑडिट कराया जाए। जिन परिवारों का मूल्यांकन कम हुआ है, उनका तत्काल पुनर्मूल्यांकन हो। विस्थापन का दर्द झेल रहे परिवारों को अब तक जमीन पर कोई मूलभूत सुविधाएं नहीं मिली हैं, सब कुछ सिर्फकागजों पर दौड़ रहा है। पार्षद ने दो टूक शब्दों में प्रशासन को चेताया है कि जब तक पुनर्वास स्थल पर सारी सुविधाएं नहीं मिलतीं, किसी को भी विस्थापित न किया जाए। उन्होंने कहा कि गत रोज एक वृद्ध आदिवासी महिला की मौत हो गई है उसको जिला प्रशासन बीमारी के चलते मौत बता रहीं हैं जबकि सच्चाई यह है कि वह इस विस्थापन से प्रभावित थी और चार दिन से भूखी थीं उनकी आहारनली चोक हो रही थी जिसकी जांच कराकर जिम्मेदारों पर हत्या का प्रकरण दर्ज किया जाना चाहिए।